

प्रारूप - तीन
सामाजिक समाघात निर्धारण प्रतिवेदन
(नियम 23 देखिये)

1. परियोजना क्षेत्र में शामिल ग्राम- बकोरी की जनसांख्यिकी का विवरण :-

(क) कुल जनसंख्या (395)	(एक) पुरुष 198	(दो) महिला 197
(ख) बच्चों की संख्या (117)	(एक) पुरुष 59	(दो) महिला 58
(ग) जातिवार जनसंख्या	(एक) अ.ज.जा. 161	(दो) ज.जा. 06
	(तीन) अ.पि.व. 234	(चार) अन्य 00
(घ) धर्मवार जनसंख्या	(एक) हिन्दू 395	(दो) मुस्लिम 00
	(तीन) सिक्ख 00	(चार) ईसाई 00
	(पांच) बौद्ध 00	(छः) अन्य 00

2. गरीबी रेखा के नीचे की परिवारों की संख्या :- 16
3. वृद्धावस्था पेंशनरों की संख्या :- 04
4. निराश्रित पेंशनरों की संख्या :- 11
5. निरक्षर पुरुष एवं महिलाओं की संख्या :- म. 12, पु. 09
6. सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन :- हॉ
7. प्रशासनिक संगठन :- हॉ
8. राजनीतिक संगठन :- हॉ
9. सिविल सोसाइटी संगठन एवं सामाजिक सदस्य :- उपलब्ध है
10. भूमि का उपयोग - (एक) कृषि भूमि :- 117.92
 (दो) पड़त भूमि :- 3.62
 (तीन) सिंचित एक फसली भूमि :- 20.10
 (चार) सिंचित दुफसली भूमि :- 23.40
 (पांच) असिंचित भूमि :- 94.20
11. जोत का आकार - (एक) लघु कृषकों की संख्या :- 36
 (दो) सीमांत कृषकों की संख्या :- 79
 (तीन) कुल खातों की संख्या :- 115
 (चार) भूमिहीन व्यक्तियों की संख्या :- 22
 (पांच) वन अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अधिकार धारण करने वाले व्यक्तियों की संख्या (तीन वर्ष या उससे पूर्व निवासरत व्यक्तियों की संख्या पृथक से दी जाये) :- 05
12. पशुधन - (एक) पशुधन की संख्या :- 147
 (दो) दुधारू पशुधन की संख्या :- 36
13. प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कार्य एवं रोजगार :- हॉ
14. पलायन :- नहीं
15. रोजगार में महिलाओं की भागीदारी :- हॉ
16. खाद्य सुरक्षा :- हॉ
17. अन्य स्थानीय रोजगार :- हॉ
18. मजदूरी दर :- हॉ
19. ऋण तक पहुंच :- हॉ
20. परिवहन एवं सड़क :- 150 मी.सी.सी. सड़क प्रभावित
21. सिंचाई :- नहीं
22. बाजार तक पहुंच :- हॉ

23. पर्यटन स्थल

:- नही

24. सहाकारी संस्थाएं

:- हों

25. रहन-सहन :-

(एक) धारणाएं, सौंदर्यपक्वता मोह एवं अभिलाशा

:- हों

(दो) गृह

:- हों

(तीन) सामुदायिक एवं सिविल स्थान

:- हों

(चार) धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल

:- हों

(पांच) भौतिक अधोसंरचना (यथा जलआपूर्ति, सीवरेज सिस्टम इत्यादि) :- उपलब्ध है

(छः) लोक सेवा अधोसंरचना (यथा विद्यालय, स्वास्थ्य सुविधाएं, आंगनबाड़ी, लोक वितरण सिस्टम इत्यादि)

:- हों

(सात) सुरक्षा, अपराध एवं हिंसा

:- नही

महत्वपूर्ण समाघात क्षेत्र

1 भूमि, जीविका और आय पर समाघात

(क) रोजगार के स्तर और प्रकार

:- हों

(ख) अंतरीय परिवार रोजगार के तरीके

:- नही

(ग) आय के स्तर

:- वृद्धि

(घ) खाद्य सुरक्षा

:- वृद्धि

(ङ) जीवन निर्वाह का स्तर

:- हों

(च) उत्पादक संसाधनों तक पहुंच और नियंत्रण

:- हों

(छ) जीविका के विकल्पों तक महिलाओं की पहुंच

:- हों

2 भौतिक संसाधनों पर समाघात -

(क) प्राकृतिक संसाधनों (यथा मिट्टा, वायु, जल, वन) पर समाघात

:- नही

(ख) जीविका के लिए भूमि एवं सार्वजनिक संपत्ति, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव:- नही

3 निजी संपत्तियों, लोक सेवाओं और उपयोगिताओं पर समाघात

(क) विद्यमान स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की क्षमता

:- अच्छी है।

(ख) गृह सुविधाओं की क्षमता

:- अच्छी है।

(ग) स्थानीय सेवाओं की पूर्ति पर दबाव

:- नही

(घ) बिजली व जल पूर्ति की पर्याप्तता, सड़कें, सफाई व कचरा प्रबंधन प्रणाली :- पर्याप्त

(ङ) निजी संपत्तियों जैसे बोरवेल इत्यादि पर समाघात :- नही है

4 स्वास्थ्य समाघात -

(क) महिलाओं के स्वास्थ्य पर समाघात

:- नही है।

(ख) वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर समाघात

:- नही है।

5 सांस्कृतिक तथा सामाजिक स्थितियों पर समाघात-

(क) स्थानीय राजनीतिक संरचना का रूपान्तरण

:- नही होता

(ख) जनसांख्यिकी परिवर्तन

:- नही

(ग) आर्थिक, पारिस्थिकी संतुलन में परिवर्तन

:- नही

(घ) मापदण्ड, विश्वास, मूल्यों एवं सांस्कृतिक जीवन पर समाघात

:- नही

(ङ) अपराध एवं अवैध क्रियाकलाप

:- नही

(च) विस्थापन का तनाव

:- नही

(छः) संयुक्त परिवारों के विखण्डन का समाघात

:- नही

6 वकीय परियोजना के विभिन्न चरणों पर समाघात

(क) पूर्व-संनिर्माण चरण

:- नही

(ख) संनिर्माण चरण

:- नही

(ग) प्रवर्तन चरण

:- नही

(घ) कार्य से हटाने वाला चरण

:- नही

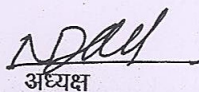
(ङ) प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष समाघात

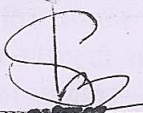
:- नही

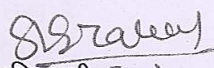
(व) संघित समाघात (प्रश्न में परियोजना के विन्हांकित समाघात क्षेत्रों को मिलाकर अन्य परियोजना व समाघात)

:- नही


संयोजक
सामाजिक समाघात अध्ययन दल
नगरलोड


अध्यक्ष
सामाजिक समाघात अध्ययन दल


1. श्री कृपाराम ~~अध्यक्ष~~ अध्यक्ष न.प.मगरलोड
(समाजिक समाघात अध्ययन दल)
जिला - धमतरी (छ.ग.)


2. श्रीमति सुनीता अग्नेवाल
प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक
शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कुरुद, जि. धमतरी (छ.ग.)


3. श्री ~~वपुषिनाथ~~ वपुषिनाथ
डॉ. नि. वि. उपसंगान कुचव
जिला धमतरी (छ. ग.)


4. श्री ~~जो आरंभ~~ जो आरंभ
अनुविभागीय अधिकारी,
प. नि. यों/शकी सेवा.
मगरलोड